

क मा०

310

Astamātrā
Bandhist

आशा सप्तदश

325

I

INDIA ARCHIVES

ॐ नमः श्रीवज्रसत्याय ॥ • ॥ द्रव्याः अपनयाय ॥ दव कालप्य ॥
दव याहुडान्यः वलिकुद्यागय ॥ • ॥ धनं लिथुलिधूनकाडा ॥ अत्र
मनयाय ॥ ॐ द्रौमलजिडाक स्वाहा ॥ त्यादी ॥ • ॥ धनहासयाय ॥
धनयुजातमथिय ॥ ॐ नमो गवत ॥ त्यादि ॥ • ॥ धनः जाकिजाठा
डाहाथहाजालपंचाठ ॥ ॐ गुरुवृद्धगुरुधर्मगुरुसंघगथेवच ॥ त्यादि ॥
जाकिगनाकुयाय ॥ • ॥ धनलंखणधनयाय ॥ ॐ गुरुकाकावेवंजादक

॥ त्यादि ॥ • ॥ धनः स्नानयाक ॥ ॐ जस्मंगलं ॥ त्यादि ॥ • ॥ धनः फूस
कंकन्य ॥ ॐ पुनिविम्वूसमाधर्मा ॥ त्यादि ॥ • ॥ धनः अरिअवकाय ॥
ॐ अरिअकं महावज्र ॥ त्यादि ॥ • ॥ धनं लिः धूंकुलाककन्यः अवा
हनयाय ॥ • ॥ धनन्याययाय ॥ धनजपयाय ॥ मनु ॥ ॐ नमः श्री
गणपतय स्वाहा ॥ • ॥ धनं लिः जाकिस्वांलखतयाडा पादार्थतय ॥
ॐ श्रीमहागणपतय पाद्यावमनार्थपुनिकु स्वाहा ॥ • ॥ धनस्नानः

[illegible]

विष्णुश्च त्राय वित्राय विष्णु त्रयाय नमः सर्वविघ्नहर्त्रं देवः शुभं
 धिर्वन्मास्तुते ॥ • ॥ धनं लिः समयः धनः ॥ • ॥ धनकाठाः स
 मयकायः ॥ • ॥ उं नेव श सर्वसंज्ञकस्वादलजसमूदितं ॥ त्यादि ॥
 धनः स्वाद्यकायाः धकायः ॥ उं हं कालयत्रमंदवः ॥ त्यादि ॥ • ॥ धनः स
 गवियः ॥ उं दिनाया सर्वदिनां दिपक्वालागमूत्यतः श्रेषया मियुसमः
 सानं समधूसकलसंसातपालांगगदियदानुत्यं संपश्चषयामि ॥

धनगायलवजिह्वा॥ उं ऊं धर्मावाहपु० एवाहपुगवागधगग०
ह्यवदगवांचयानिनाधयवंवादिमहासवर्ष॥ • ॥ धनंलिधूलि
धूनकाडा॥ • ॥ धनबलिविय॥ • ॥ लंखहायक॥ उं ऊं कागामूर्त्वं
॥ त्यादि॥ • ॥ धनस्नानजाकिगयालखगयापादार्घगय॥ • ॥
धनस्नानवाय॥ उं ॐ न्नायस्वाहा॥ त्यादि॥ • ॥ धनसिद्धलंगक॥
उं ऊं कागय॥ स्नांगय॥ • ॥ धनजाकिज्ञानास्नागयाय॥ उं ॐ न्नाद

यामहाविला॥ त्यादि॥ • ॥ धनसमयकाय॥ • ॥ स्वायकायः ध
काय॥ मगविय॥ गायलवजिह्वाले॥ • ॥ धनंलिधूलिधूनः
काडाः॥ वृषिपूजायाय॥ • ॥ जाकिलंखगयाडापादार्घगय॥ उं स्वः
जायपाशाचमनार्घपुनिकुस्वाहा॥ • ॥ स्नानवाय॥ उं स्वर्जायपूष्यंस्वा
हा॥ • ॥ सिद्धलंगिक॥ उं स्वर्जायचन्द्रनंनमः॥ • ॥ उं कागय॥ उं स्वर्जा
यजहापुविगंनमः॥ • ॥ स्नानगय॥ उं स्वर्जायपूष्यंनमः॥ • ॥ स्नाग

जाकिं नमः॥ उं स्वर्गाय स्वर्गनासाय पसूके दनाय नमः॥ • ॥ धनसं
मयकाय॥ स्वायकाय॥ धकाय॥ मगविय॥ तायलवजिंहाले॥
धनेलिः वाहागत्यनयाय॥ • ॥ पूजायाय॥ ज्ञापांलखंहायाय॥ • ॥
जाकिलखतया॥ • ॥ स्वांगय॥ कागायपूष्यं नमः॥ • ॥ कागायवं
डनं नमः॥ • ॥ उं कागाय रुद्रस्य विगें नमः॥ • ॥ धनसमयकाय॥
स्वायकाय॥ धकाय॥ मगविय॥ तायलवजिंहात्र॥ • ॥ धनसं

कल्ययाय॥ • ॥ जाकिस्वानलेखतया उसे कल्ययाय॥ उं नमवूकाय
नमो धर्माय नमो संद्याय॥ त्यादि॥ अथ वाक्॥ उं श्रीमगशां गुरुः
गलसहकात्रकसापिणार्थः जथासख्यपंचायहात्रपूजा कर्मभिः शां
त्रगलसदवगा अत्रुः कागतर्पनमहावत्याय नमः॥ कागतर्पनसंक
र्षसिद्धिर्नस्तु॥ गलगावियं॥ • ॥ स्वां जाकिं लेखतयाः देवयाग॥
धनं वं वाहां स्वायः॥ दाऊनाकाय॥

धियकाः कसपनसइधने॥ • ॥ मूलः हायक॥ • ॥ गर्भनयाय॥
धनेलिः कनसः समयकायः थकायः मगविय॥ • ॥ धनेलिः बलि
सलंखरगिहायक॥ उं ऊकात्रामुखं॥ त्यादि॥ • ॥ खोवाय॥ • ॥
सिद्धलेमिक॥ समयकाय॥ त्यायकायः॥ थकाय॥ मगविय॥ गाय
लवडिंहाले॥ • ॥ धनेलिः कि गवलकायः॥ कि गवन्यः॥ धमंसकाग
गयाय॥ धनेलिः जाकिहाकालपाडा॥ धान्य॥ उं वडु सत्यसमयमनूपा

लय॥ • ॥ धनविसकुनयाय॥ उं कृत्स्नं सर्वसत्कार्थी॥ त्यादी॥ • ॥
हासयाय॥ कसाकान्य॥ खोकाकाय॥ • ॥ धडागः सिद्धलेमिय॥ खो
काय॥ ऊनदकासियागियइले॥ सिललिकायाडाः विधनेमिय॥
हेमि अगुगुगसयाकेः कागगर्भनयूजाविधिउधसकलावपूजा
कर्मसिमाफ॥ • ॥ उं॥ • ॥ उं॥ • ॥ उं॥ • ॥ उं॥

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ • ॥ द्वापां दवक्रयलय ॥ देवया कुंटी
नवलिङ्ग व्याग गय ॥ देवया उडी धकः माहनि रुय गय ॥ • ॥ वलिया
उडी धकः मन पाग गय ॥ • ॥ धूलि धापन धून काडी ॥ • ॥ पूजा याहं
हय ॥ • ॥ द्वापांः आवमन याय ॥ उं डी फमल डि डीं न स्वाहा ॥ • ॥ धन
न्याग याय ॥ • ॥ धन पूजा रत थिय ॥ उं न माह गवत पूष्य के उता जाय ॥
त्यादि ॥ • ॥ धन जाकि जीना डी साध साजीलय ॥ उं उरू वू उरू धर्म

उरू संघं गये वं च ॥ त्यादि ॥ • ॥ धन लंख अ धन याय ॥ उं उरू आहः
वं वं जाद के फम गं र व उरू ॥ त्यादि ॥ • ॥ धन देवता सना या के ॥ उं उ
लंगलं सकल सत्व रुदि स्थि गय ॥ त्यादि ॥ • ॥ धन द्वा स के के न ॥ उं
प्रति विं वू स साध म्मी ॥ त्यादि ॥ • ॥ धन अरि धक काय ॥ उं अरि ध
के सहाय जं ॥ त्यादि ॥ • ॥ धन लिङ्गं क लाक जीना डीः आव साह न याय

ॐ श्रीरिमस्य न. पच पांडव सकल देवता वाहनाय ॥ • ॥ धनः
ठासयाय ॥ • ॥ धनः जपयाय ॥ ॐ हं श्रीरिमपुत्रं स्वाहा ॥ • ॥
धनः जाकि स्वां लंखगया जया दार्धगय ॥ ॐ रिमस्य नायया यं पुत्रि कु स्वाहा ॥
धनस्वानवाय ॥ ॐ श्रीरिमस्य नाय स्वाहा ॥ ॐ रिमलेखाय स्वाहा ॥ ॐ हं काला
य स्वाहा ॥ ॐ श्रीरुद्र नाय स्वाहा ॥ ॐ इत्यपीय स्वाहा ॥ ॐ वज्रपुष्प पुत्रि कु स्वा
हा ॥ • ॥ धनसिद्धलंगिक ॥ ॐ रिमस्य नाय च नमः ॥ • ॥ ॐ ॐ ॐ

कोकावायक ॥ ॐ रिमस्य नाय जहापुत्रि नमः ॥ • ॥ स्वाकाय ॥ ॐ रि
मस्य नाय पुष्प मालिका पुष्प नमः ॥ • ॥ जाकि जाना जगताय
ॐ नमः श्रीरिमस्य नाय ॥ सदा मरुमानं गयानं रयां गजसंदध
नं त्रिधातमानं हुना ग्रीत्यनं ॥ ॐ रिमस्य नमः ॥ तथ ॥ • ॥ धनः
समयकाय ॥ ॐ नैवयं सर्वसंशकं स्वाहा जहादसमूत्रि नं ॥ स्वादि ॥ • ॥
धनः ग्यायकाय ॥ • ॥ धनकाय ॥ हं कालयत्र मंदवं हं कालसिद्धलं

जनं॥ त्यादि॥ • ॥ मगधिय॥ उंकी जागालदियदानं संयधुषया॥
मि॥ • ॥ गायलवर्जिहोल॥ उंज धर्मावाहउपुतवाहुगुगवांगधग
ग॥ त्यादि॥ • ॥ धनः साहनिरुयः॥ सलिवसः विकनं०००॥ • ॥
देवयाहुडोन्वतयाः जाकिलखतयाडाः पांदाद्यतय॥ • ॥ पांथपुगिऊ
त्याहा॥ • ॥ सिद्धलंगिक॥ वंदनं नमः॥ • ॥ स्वांगय॥ पूषं नमः॥ • ॥
जाकिंगन॥ पूषधूपदियं नमः॥ गन्य॥ • ॥ धनः सलिवसतया

नगुजाकिस्वांकयाडाः सलितपूयकाः सलियादडान्यः डाः स्वां दडान्यः
तयः देवयागधियकाः साहनिरुयः॥ स्वातठाया०००गागय॥ • ॥
धनं लिः सकुपागुपूजायाय॥ • ॥ अधनयायः॥ • ॥ सकुपागुसः
धतयः॥ अधनयाय॥ उंकाहे॥ • ॥ विजगय॥ उं हहाडीहकागनं अ
मृताकालनुलावय॥ • ॥ जाकिलखतयाः पादाद्यतयाः॥ उं सकुकाग
ठकाययापुगिऊत्याहा॥ • ॥ स्वानवाय॥ उं सकुकागठकायपूषं

सिद्धलंगिक॥ॐ कृन्नाय यदुर्ननमः॥ • ॥ जाकिंकि गलनय॥ॐ कृन्नाय
 कृन्नाय यदुर्ननमः॥ • ॥ समयकाय॥ थकाय॥ • ॥
 मगविय॥ गायलवडिंहाल॥ • ॥ धनंतिः वलिविय॥ लेखहायक॥
 ॐ कृन्नाय यदुर्ननमः॥ • ॥ जाकिलखपादाद्यनय॥
 स्वानवाय॥ॐ कृन्नाय यदुर्ननमः॥ • ॥ सिद्धलंगिक॥ॐ कृन्नाय
 यदुर्ननमः॥ • ॥ जाकिंकिनाडागागुयाय॥ॐ कृन्नाय यदुर्ननमः॥

महं॥ • ॥ धनः समयकाय॥ धकाय॥ मतविय॥ गायलवडिंहाल॥
धनंलिःचुपिपूजायायः॥ॐ॥ जाकिलेखकयाजःपादार्घ्ययः॥ॐ स्वर्ग
यपायाचमनार्घ्यपुनिकुस्वाहा॥ • ॥ स्वाध्याय॥ॐ स्वर्गयपूष्यपुनिकु स्वा
हा॥ • ॥ सिद्धलंगिक॥ॐ स्वर्गयचतुर्नमः॥ • ॥ इंकागय॥ॐ स्वर्ग
यद्रुक्षावलेनमः॥ • ॥ किंज्वलगन॥ॐ स्वर्गयस्वर्गनासायपसूक्त
दनायनमस्तु॥ • ॥ धनः समयकाय॥ धकाय॥ स्वाध्याय॥

मतविय॥ गायलवडिंहाल॥ • ॥ धनः वाहो संकल्पयाय॥ • ॥
लेखेहायायः पुनिसिक्त॥ • ॥ धनपूजायाय॥ॐ कागायपायं पुनि
कुस्वाहा॥ • ॥ स्वांगय॥ॐ कागायपूष्यनमस्वाहा॥ • ॥ सिद्धलंगिक॥ॐ
कागायचतुर्नमः॥ • ॥ किंज्वलगन॥ॐ कागायपूष्यधूपंदिपेनमः॥
समयकाय॥ धकाय॥ मतविय॥ गायलवडिंहाल॥ • ॥ धन
संकल्पयाय॥ॐ आसग अरुतिमस्यः दवतास्वपितृकागतप्यनम

॥ दक्षिणकाय॥

हा वल्योवन पूजा कर्मसथ सत्यपूजावनसंपूर्णार्थः शोभनः
हिमस्यन सकलदेवदेवीरकात्रकालुकागणप्यनमसाकल्या
वनादिस्यपिग ०० दसकागणप्यनसकल्यासिद्धिरस्तु ॥ ० ॥ धन
धनः जाकि स्यान्कयालंखगयाः देवधियकाः दुसपनसुदु धनं ॥
महायक ॥ ॥ धनं गवियः धूनकाडा ॥ ॥ सिलकयाडाः देव
याहजगयाडा ॥ सिरसः समयगय ॥ धकाय ॥ मतविय ॥ गय

लंसात ॥ ॥ धनं लिः वूकं काय ॥ ॥ धूलिधूनकाडा ॥ वाकपूः
जायाय ॥ ॥ धनं लिः वलिवियः ॥ धूनकाडा ॥ किशतन्य ॥ ॥ गा
गयाय ॥ धनं सकागणयाय ॥ ॥ धनं लिः धूलिधूनकाडाः विसर्ज
नयाय ॥ कुमापन ॥ उं वजसत्यसमयमनूपालय ॥ त्यादि ॥ ॥ जा
कि लंखकयाडा विसर्जनयाय ॥ उं कृत्वरं सर्वसत्ताथसिद्धिदत्तात्रय
नूगा ॥ त्यादि ॥ ॥ धनं हासयाय ॥ कुमाहन्य ॥ ॥ माहनि का

काय॥ ० ॥ देवयागनिक॥ ० ॥ धर्मनसकलयागनिक॥ स्वांकाकाय
सकस्याग॥ स्वांकायः सकस्यागकाय॥ ० ॥ पुलिधूनकाडाः यिपंधिय॥
धनः मालकाकर्मयायशुल॥ ० ॥ ॐ निसंद्रफः शरमस्यनह
नः कुगगर्धनपूजाकर्मसमाफ॥ ० ॥ ॐ ॥ ० ॥ ॐ ॥

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ • ॥ द्वा देवता अथ नमः का
यलया ॥ • ॥ धून काठाः ॥ • ॥ देवता कुंडा वल कु द्वा अथ नमः
या संघा ~~मि~~ ॥ धूलि धून काठा ॥ • ॥ अचमन याय ॥ • ॥ धन
ठा सयाय ॥ • ॥ धन पूजा रत्न थिय ॥ ५ ॐ नमः शिवाय ॥ त्यादि ॥ •
ॐ नियाय ॥ • ॥ धन जाकि क हं हा जा लयें चाठ ॥ • ॥ ॐ गुरु पूज
रु धर्म गुरु संघ ग थे वय ॥ • ॥ गन्य ॥ • ॥ धन लख गम

नयाय ॥ ॐ गुरु शा हा वं वं जा द क क म गं र व तु हं ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ धन सा
नयाय ॥ ॐ गुरु मंगलं सकल सख हृदि स्थितस्य ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ धन ह
सकं कन्य ॥ ॐ पुण विम्वु समा धर्मी ॥ • ॥ धन अरि ष्य क का
य ॥ ॐ अरि ष्य कं सदा वडे ॥ • ॥ धन धुं कृत्या क क ना अवाह
नयाय ॥ ॐ श्री ॐ देवता जा गाम्य लक्षा वाहन ॥ • ॥ धन जा
कि स्थां कया लं रव ग या पा दार्घ्य गय ॥ • ॥ धन स्वां वा य ॥ ॐ जा गा

मत्राय स्वाहा ॥ उं ड्री स्वाहा ॥ उं ॐ हृदय स्वाहा ॥ • ॥ धनसि
कलं गिके ॥ उं च नु नं नमः ॥ ३ ॥ उं उं का गय ॥ उं उं हृ प्र वि रं न
मः ॥ • ॥ स्वां काय ॥ उं मा ध मि पू ष्यं नमः ॥ • ॥ गा उ या य
उं आ गा म्ब लं उ गं ना थं सर्व सत्य सूर्य उ ता ॥ • ॥ धन सम य काय ॥
उं ने व ये सर्व सद्गुरुं स्वा उ ता उ समं यितं ॥ • ॥ स्वां काय ॥ ध का
य ॥ उं हे का त्र य त्र मं द ये हे का ल सिद्धि लां उ नं ॥ • ॥ म ग वि य ॥ उं

ड्रीं आ ग्रा म्ब दि य दानं सं प क्ष ष या मि ॥ • ॥ गाय ल वा डें हा ले ॥
हृद ग न्ध पू ष्यं नमः ॥ • ॥ धन मा ह नि रू य ॥ वि क नं ॐ त्र ॥
जा कि लं र व त या डाः पा दा र्घ त य ॥ • ॥ स्वां ग य ॥ उं उं उ नो य पू
ष्यं नमः ॥ • ॥ सि क्क लं गिके ॥ उं च नु नं नमः ॥ • ॥ जा किं त
न्य ॥ उं उं उ नो य न मा नमः ॥ • ॥ ॐ गा हा द्या त य ॥ उं उ न रु
य ॥ • ॥ धनं लिः म नु पा उ पू जा या य ॥ ध त य ॥ उं ह हा ड्री ह

कात्रनहत्रगवर्ह॥ • ॥ धनः मधनयाय॥ उं ष्ठा ४ हं॥ • ॥
विजगय॥ अमृताकालंतुलावय॥ • ॥ जाकिलखयादार्घगय
॥ • ॥ स्वांवाय॥ उं मनुकत्राठकायस्याहा॥ • ॥ सिद्धलंगि
कं॥ • ॥ किजगन्य॥ उं निलनिलाऊनिलारा॥ अक्रियाएवना
मकि॥ • ॥ समयकाय॥ थकायः खादकाय॥ मगविय॥
गायलवडिंहारा॥ विद्रविय॥ • ॥ धनः माहनिपूजायाय॥

पादार्घगय॥ • ॥ स्वांवाय॥ सिद्धलंगिक॥ किजगन्य॥ स
मयकाय॥ खादः थकाय॥ मगविय॥ गायलवडिंहारा॥ • ॥
धनं लिखलिविय॥ लेखहायक॥ उं अक्रामूरव॥ एादि॥ • ॥
जाकिलखयादार्घगय॥ • ॥ स्वांवाय॥ उं ष्ठा ४ हं॥ • ॥
सिद्धलंगिक॥ उं चतुर्नमः॥ • ॥ उं कागय॥ उं उं हायविगं
नमः॥ • ॥ स्वांकाय॥ उं मालगिपूष्यं नमः॥ • ॥ समयः

षष्ठमार्गकामहावल्यायनादि. हंसतर्पणसंकल्पसिद्धिरस्तु॥०॥
 । मूलहायक॥ • ॥ शगविय॥ • ॥ हिलकाय॥ समयका
 यः स्वायकायमगविय॥ • ॥ धनवाकलपूजायाय॥
 धूनकाडा॥ • ॥ वलिविय. लेखहायक॥ किञ्चलनन्यः दे
 वजाय॥ • ॥ धनकुमायनयाय॥ • ॥ माहनिकाका
 य॥ देवयागलिक॥ धनसकस्यातेणय॥ स्वायकाय॥ आ

गंतयः॥ धडागसकस्यागंकाय॥ • ॥पुलिधूनकाडाः॥ • ॥
सिलकायः॥ वृकेकाय॥ • ॥ धनचिर्येपियमाता॥ • ॥
ॐतिअसंझकआळुवुदेवताजागाम्बलयूजाहंसगर्षपूजासमा
क॥ × • × ॥ अहं॥ ० ॥ अहमस्तु॥ • ॥ इति॥ • ॥

आशा महकाथि

325

I

ASHA ARCHIVES



ॐ नमः शिवाय ॥ • ॥ ज्ञायांः अपनायायः क्रमथं ॥ • ॥ दवका
 यलथे ॥ • ॥ धनक्रमथं ॥ स्वर्गः अपनायाय ॥ • ॥ क्रमथं हयः
 रुसिः अपनायाय ॥ • ॥ क्रमथं कुरुः अपनायाय ॥ • ॥ धनंति
 धूलिः अपनाधूनकाडो ॥ • ॥ धनः क्रमथं ॥ सगंधोः सिद्धः माह
 निः सतः अपनायाय ॥ • ॥ धूलिः अपनाधूनकाडो ॥ • ॥
 ज्ञायां क्रमथं पूजाया नाहय ॥ • ॥ ज्ञायांः ~~.....~~ जायमनः

याय॥ • ॥ धनन्यागयाय॥ • ॥ धनः पूजाए लक्ष्यः॥ अग्निः
याय॥ • ॥ धनजाकिञ्जानाहाज लप्य॥ • ॥ वाक्केऽनमः॥
उग्रवृद्ध उग्रधर्म उग्रसंघेन धेयव॥ • ॥ धनलंखला धनया
यः॥ उग्रशृङ्गा वंशजो दक्ष अमृतं एव कुं स्वाहा॥ • ॥ धनः देव
यागसन्नानयाक॥ उग्रसंगलं सकलसत्त्वहृदि स्थितस्यः॥ • ॥
धनद्रुसकं केन्य॥ उग्रगिरिविभूतना धर्मकाखा सुखादिना विनाः

धनः करिखक काय॥ उं करिखकं महावज्रं उं धनुकं नमस्तुते॥
धनं लिखुलिधूनकाडा॥ • ॥ धुंकुलाकयाना देवयाकुडा न्यगः
वः उं उं धन्य॥ • ॥ धनद्यजयाय॥ देवयाकुलुत्रुपं कुजपया
य॥ • ॥ धनद्रुपस्वांगयधूनकाडा॥ • ॥ जाकिलेखस्वाः पा
दार्घ्यगय॥ • ॥ स्नानवायः ट ॥ सिद्धलंनिके॥ • ॥ उं काकाया
यके॥ • ॥ स्वांकाय॥ • ॥ गागयाय॥ • ॥ समयकाय॥ • ॥

स्वायकायः॥ • ॥ थकाय॥ • ॥ मगविय॥ • ॥ गायलवडिं
होत्र॥ • ॥ धनं लिखुलिधूनकाडा॥ • ॥ संकुपागुगय॥ • ॥
धनं लिखुलिधूनकाडा॥ • ॥ धनमकुपागुगय॥ • ॥
जाकिलेखस्नानगयापादार्घ्यगय॥ • ॥ स्वांकाय॥ उं मकुका
ठकायस्वाहा॥ ३ ॥ सिद्धलंनिके॥ • ॥ गागयाय॥ उं नितनि
लोउनितागः कुशायारवमामकि॥ • ॥ धनसमयकायः॥ उं

नेवर्षं स्वाहा॥ • ॥ स्वाद्यः थ काय॥ उं हं काल पत्र मं स्वाहा॥ • ॥
मनविद्य॥ उं कीं जात्रा हं दिपं स्वाहा॥ • ॥ गायल वजी हा ले॥ उं
धनं लिः सत्रायि सः पूजा या य ग्रं कं थः सक गाः वलि स पूजा या य॥
धूलि धून का डो॥ • ॥ धनं लिः सगं ध्येः सिद्ध माहनिः मगः सम
नं पूजा या य॥ • ॥ जाकि तं त्यग याः पादा र्घ्यं य॥ • ॥ धनः
स्वां वा य॥ उं काय वृद्धि स्वाहा॥ उं ग न प न य स्वाहा॥ उं महं कालो य

स्वाहा॥ • ॥ उं कं ज नाय स्वाहा॥ • ॥ उं सिं धू राय स्वाहा॥ • ॥
उं वे ष्म न राय स्वाहा॥ • ॥ धन॥ सि हि द्ध लं ति के ॥ वं ड न
ने न म ४ स्वाहा॥ • ॥ उं का का र्वा य के॥ उं व रु ज हा प वि रं न म
४ स्वाहा॥ • ॥ स्वां काय॥ उं पू ष्ठे न म ४ स्वाहा॥ • ॥ धन ता उ या
य॥ उं काय वृद्धि ग न स महं कालः कं ज धा दि सिं धू रा दी वे ष्म न
रा दि ष्म रु ग न ध पू ष्ठ ध्यं न म ४॥ • ॥ धन स म य काय॥ • ॥

धकायः मगवियः गायलवडिंहाले॥ • ॥ धनंलिः रुसिपूः
जायाय॥ • ॥ जाकिलत्यत्वां पादार्घ्यय॥ • ॥ स्नानवायः
उंपूषं नमः स्वाहा॥ ३ ॥ सिद्धलंगिक॥ उंचडनं नमः स्वाहा॥ • ॥
उंकाकावायक॥ उंऊपविंते नमः स्वाहा॥ • ॥ स्नानकाय॥ उंपू
ष्यजागिनमः॥ • ॥ समयकाय॥ धकाय॥ मगविय॥ गाय
लेहाले॥ • ॥ गगुयाय॥ • ॥ धनंलिः कंठपूजायाय॥ • ॥

धनन्यागयाय॥ विजधून्य॥ उमधनयाय॥ धकायगय॥ • ॥
पूजायाय॥ स्वांवाय॥ सिद्धलंगिक॥ स्वांतय॥ समयकाय॥ • ॥
धकाय॥ मगविय॥ गायलेहाले॥ गगुयाय॥ • ॥ धनं
लिः देवताः स्वर्गपूजायाय॥ • ॥ द्वापां न्यागयाय॥ • ॥
धूपधन्य॥ • ॥ धनधनयाय॥ • ॥ धनउयस्नानगय॥ • ॥
जाकिस्वालेत्वं पादार्घ्यय॥ • ॥ स्नानवाय॥ उंस्वर्गयस्वाहा॥ ८ ॥

सिद्धलंगिक॥ उंचउनेनमः॥ • ॥ उंचकागय॥ उंचसपविगंन
मः॥ • ॥ खानगय॥ उंचपूषंनमः॥ • ॥ समयकाय॥ • ॥
थकाय॥ मगविय॥ गायलंहाल॥ गगयाय॥ • ॥ थ
नेवृषिपूजायाय॥ • ॥ लखंसिल॥ खानवाय॥ ३ ॥ सिद्धलं
गिक॥ खानकाय॥ समयकाय॥ थकाय॥ मगविय॥ गाय
लंहाल॥ जाकिंगने॥ • ॥ धनवाहानपूजायाय॥ • ॥

लंखनें क्रसहाय॥ मंदलथिल॥ पातासनंवाय॥ • ॥ धनः
सिद्धलंगिक॥ खानकाय॥ समयनक॥ धनानक॥ धूंकने॥
मगविय॥ गायलंहाल॥ • ॥ धनसंकल्पयाय॥ अथकसं
उंचकादिः अथमातृकाः नडाइगीदवदवीरदात्रकागुः अथमातृ
कामहावलाचनः स्वपिपार्थः कागगर्वनसंकल्पसिद्धिगुरु॥ • ॥
हंसरुसा॥ उंचसगर्वनसिद्धिगुरु॥ • ॥ धनमनु॥ कने

ॐ पृथुदयः सखा वणिगमनं मवापूया ॥ • ॥ धनलागवि
यः • ॥ धनः कोकं चयः ॥ त्वायः कायः कोकं चयः ठाः कायः ॥
॥ कावा सखानशुः हं कालकायः ॥ • ॥ धनं लिः सकसियोः द
वऊपः ॥ • ॥ धनः पत्रिका लपूजायायः ॥ • ॥ धनं लिः वलिवि
यः लं त्वहायकः ॥ ॐ क कात्रा मूर्खं ॐ दं वलि गृह २ हं रुठ स्वाहा ॥ • ॥
स्वानदीयः ॥ ॐ ॐ डाय स्वाहा ॥ २ ॥ सिद्धः डं काः स्वांगयः ॥ समय

धकायः ॥ मगवियः ॥ गाय लेहालः ॥ गायवदयः ॥ • ॥ धनस
कस्यातः जाकिवियाडाः स्वानकिगन्यः ॥ • ॥ धनः धनं मूः
कायः ॥ सकस्यातं वियः ॥ • ॥ धनचिवं थियः ॥ • ॥ धनवि
तर्जनयायः ॥ • ॥ धनः सिद्धमाहनिः सगंधे काकायः ॥ • ॥
कसाकंधनः सकस्यानं गियः ॥ • ॥ धनः त्वायकायः ॥ • ॥ धन
पिंकाकयाडाः दवयागकायः ॥ • ॥ पाणकायः ॥ पाणदिकः ॥ कुम

धं॥ इति॥ • ॥ धनंति॥ वात्रनयाय॥ स्व० लडाजाय॥
रुसिपिगयने॥ • ॥ धन० कृ० पालडाजाय इति॥ • ॥

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ • ॥ ज्ञानो देव कायः ॥ • ॥
देव्याः रुद्राः बलिः कृष्णः गयः ॥ • ॥ चक्रांतयः ॥ • ॥
धनः शिव मनयाय ॥ • ॥ धन न्याययाय ॥ • ॥ पूजाए
लेक्ये ॥ • ॥ धन नमस्का लयाय ॥ • ॥ धन जाकि
ना हाउलं पंचाङ्गः ॥ • ॥ धन देव याग नमस्का लयाय ॥ • ॥
धन लख अ धन याय ॥ • ॥ देव याग स नान याके ॥ ॐ

संगले सकल सतह दिस्तिगस्यः ॥ • ॥ धन द्रुसकं क
ने ॥ ॐ पति विमू स मा धर्माः शिवा स जाहि ना विता ॥ • ॥
धनः शिवा क काय ॥ ॐ शिवा कं महावजं गंधा उकं नमः
स्तुते ॥ • ॥ धनः धू धूपाः गुं गु धन ॥ शिवा ह न याय ॥ • ॥
धन न्या स याय ॥ धन न याय ॥ उप याय ॥ उप स्नानं च
के ॥ • ॥ धन पादार्घ्य गयः जा किलं ख गय ॥ • ॥ स्नानं

य॥ ॐ चण्डिकायस्वाहा॥ ८ ॥ अकामाकृतायाऽस्तु त्वं स्वान
काय॥ • ॥ धनः सिद्धलंगिक॥ ॐ चण्डनेनमः॥ • ॥ ॐ कां
काय॥ ॐ अक्षयपयितं नमः॥ • ॥ स्वानकाय॥ ॐ पूषं न
मः॥ • ॥ समयकाय॥ ॐ देवयं नमः॥ • ॥ धनधः
काय॥ ॐ हं कालं पत्रमंदवहं सिद्धिदा नमः॥ • ॥
मनविद्य॥ ॐ ओं आता गृहदियं नमः॥ • ॥ गायलं हाते॥ • ॥

धनगुण्याय॥ ॐ नमः॥ ॐ चण्डिकाय॥ अकामाकृतायाऽस्तु त्वं स्वान
काय॥ ॐ अक्षयपयितं नमः॥ • ॥ ॐ कां
काय॥ ॐ अक्षयपयितं नमः॥ • ॥ स्वानकाय॥ ॐ पूषं न
मः॥ • ॥ समयकाय॥ ॐ देवयं नमः॥ • ॥ धनधः
काय॥ ॐ हं कालं पत्रमंदवहं सिद्धिदा नमः॥ • ॥
मनविद्य॥ ॐ ओं आता गृहदियं नमः॥ • ॥ गायलं हाते॥ • ॥

हात्र॥ गगुयाय॥ • ॥ धनवलिविय॥ लेखहायक॥ •
खानवाय॥ ८ ॥ सिद्धलंगिक॥ खोकाय॥ ३ ॥ ॐ कांकावा
यक॥ • ॥ समयकाय॥ ५ काय॥ मगविय॥ ग
यलेहात्र॥ गगुयाय॥ • ॥ धनंतिः वृषिपूजा॥ लेखनं
सि॥ • ॥ जाकि॥ खोलेखपादार्थगय॥ • ॥ खोवायः
ॐ स्वर्गाय नमः स्वाहा॥ ३ ॥ सिद्धलंगिक॥ ॐ चतुर्नमः

स्वाहा॥ • ॥ ॐ कागय॥ ॐ ॐ रूपवितनमः स्वाहा॥ • ॥
खोतय॥ ॐ पूरकं नमः स्वाहा॥ • ॥ समयकाय॥ ॐ नैव
यं नमः स्वाहा॥ • ॥ ५ काय॥ ॐ हंका लेनमः स्वाहा॥ • ॥
मगविय॥ ॐ जी आत्रा रुदियं नमः स्वाहा॥ • ॥ मगयले
हात्रः॥ गगुयाय॥ ॐ स्वर्गाय पसूकदवायं नमः स्वाहा॥ • ॥
वाहापूजाः धमन्तलधि॥ योगसुनंवाय॥ लेखनं क्रुत

हाय॥ स्नानकाय॥ ३ ॥ सिद्धलंगिके॥ • ॥ जंकागय॥ • ॥
स्नानगय॥ • ॥ समयनकेः थगानके॥ मगविय॥ तायले
होत्र॥ गगुयाय॥ • ॥ धनः श्रयादः संकल्पयाय॥ • ॥
मूलहायके॥ • ॥ लगविय॥ • ॥ वृकं चूयः स्वायः वृकं
काय॥ • ॥ धनः वाहोस्वायगः इगुः इसा न इगुयागुस्वरूपं
पूजायानाः कायः॥ स्वायगः ज्ञायां संकल्पयायधूनका

डाः ववाहोस्वायः दक्षिणकाय॥ • ॥ हंसः स्वायगुइसाः
ववाहोतयम्वा॥ • ॥ • ॥ धनसिकसियाः दवजपाः॥
धनपत्रियालपूजायाय॥ • ॥ धनः बलिहायके॥ • ॥
स्नानकाय॥ सिद्धलंगिके॥ स्नानगय॥ जंकागय॥ समयका
यः॥ थकाय॥ मगविय॥ तायलेहोत्र॥ गगुयाय॥ • ॥
धनसकसियाः स्नानकिगने॥ • ॥ धनंतिः थूलिधूनकाडावि

[illegible]

याविया॥ सुधं वा ॐ सुधं वा मम दाधन दियत ॥ • ॥ थपूरु
कर ॐ यवा ॐ गि ॐ ल ॐ या ॐ व व नः ॐ द व त ॐ क ॐ नै ॥ • ॥
पूत वा क या ॐ ॥ पृथि मांः सिध्या या त वा याविया ॥ पूरुः ॐ उ मा
न याः सक ल सिद्धि व ध य इ य मा ॥ • ॥ या ना ॐ ल क म स ॥ ग
ॐ मा न्य व ध य इ य मा ॥ ॐ ॐ लं सु द धिं सा य मा ॥ • ॥ ॐ नू
पिं त्य ना दान पू न्य या य ॐ म न सु ला व ध य इ य मा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ -

ॐ नमः शिवाय ॥ ० ॥
 ॐ वक्रायनीय स्वाहा ॥ १ ॥
 ॐ माह्वरीय स्वाहा ॥ २ ॥
 ॐ कोमात्रीय स्वाहा ॥ ३ ॥
 ॐ वैष्णवीय स्वाहा ॥ ४ ॥
 ॐ वात्राहय स्वाहा ॥ ५ ॥

ॐ सुपाय च दत्त नमः ॥ ॐ पुष्प नमः ॥

मनी धरी वज्रिनी महाप्रतिरे रक्षा फलदा
 ज्ञाकी लेख डायके x अद्यानपती लजमानस्थने
 पालमणु ले ललीतापुरी महानगरे दानापुर
 महा विहार वस्तीत श्री

ॐ शिवायनीय स्वाहा ॥ ६ ॥
 ॐ वाम्नाय स्वाहा ॥ ७ ॥
 ॐ महालक्ष्मिय स्वाहा ॥ ८ ॥
 ॐ सिंघनीय स्वाहा ॥ ९ ॥
 ॐ व्याघ्रनीय स्वाहा ॥ १० ॥
 ॐ हेलवाय स्वाहा ॥ ११ ॥

उंगमयनयखाहा॥ १२ ॥

उंकुमात्रायखाहा॥ १३ ॥

पूतिः षष्ठमाहकायाः॥ पिथसकरनेखानवायउशल॥ ॥



लक्ष्मणा धर्मशास्त्र

लुक्का जगन्नाथ

श्री कल्याण



